भ. कृ. अनु. प.-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच

एमजीएमजी के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण तथा लवण सहिष्णु गेहूं (केआरएल-210) तथा सरसों (सी एस 60)के बीज का वितरण

आईसीएआर-सीएसएसआरआई, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र भरूच द्वारा 20 नवंबर, 2025 को समनी प्रायोगिक फार्म में 'मेरा गांव, मेरा गौरव' योजना के तहत अपनाये गए गांव के किसानों के लिए एक प्रशिक्षण तथा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भरूच जिले के 3 तालुका के 5 गांवों; आमोद तालुका (समनी, तंछा, केसलू) जम्बूसर तालुका (बोजादरा) और भरूच तालुका (करेला) के 20 किसानों को लवण सहिष्णु गेहूं किस्म (केआरएल-210) का 40-40 किलोग्राम बीज तथा इच्छुक किसानों को लवण सहिष्णु सरसों किस्म (सी एस 60) का 500 ग्रा. बीज वितरित किया गया। सर्वप्रथम केंद्र के अध्यक्ष डा. अनिल चिंचमलातपुरे के द्वारा किसानों को 'मेरा गांव, मेरा गौरव' कार्यक्रम का उद्देश्य समझाया गया तथा संस्थान के कार्यकलापों के बारे में जानकारी दी गयी। इसके पश्चात् डॉ. मोनिका शुक्ला उनके द्वारा गेहूं की वैज्ञानिक खेती के बारे में प्रशिक्षण दिया गया| इस क्षेत्र की काली लवणीय मृदाओं के लिए लवण सहिष्णु सरसों की किस्म की खेती करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया गया तथा गेंहू के साथ संस्थान से विकसित लवण सहिष्णु सरसों की किस्म (सी एस 60) का बीज इच्छुक किसानों को दिया गया| किसानों को सरसों की वैज्ञानिक खेती के बारे में भी किसानों को बताया गया| डा. बिशवेश्वर गोरेन द्वारा लवणीय मृदा प्रबंधन, मिट्टी का नमूना लेने तथा मिट्टी में पोषक तत्वों का उचित प्रबंधन के बारे में किसानों को प्रशिक्षण दिया गया अंत में किसानों ने वैज्ञानिकों से बातचीत की और खेती में आने वाली विभिन्न समस्याओं के बारे में पूछा। किसानों ने पिछले वर्षों में उनके द्वारा उगाई गई लवण सहिष्णु गेहूं की किस्म के प्रदर्शन के बारे में भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के तकनीकी अधिकारी चंपक तवियाड, दिनेश मीना तथा दिलीप वाघेला, उपस्थित रहे तथा अपना सहयोग प्रदान किया|